वाटिकन रेडियो eसमाचार

सत्य, शांति, सद्भावना व वार्ता को समर्पित | 460 वाँ अंक | 10 मई, 2011 मंगलवार

10 मई, 2011 मंगलवार

मुख्य समाचार

- विश्वास, सांस्कृतिक और सामाजिक परंपरा मात्र नहीं -1
- विश्वास के मूल्यों को राजनीति सहित जीवन के सभी क्षेत्रों से जोड़ें -2
- संत पापा का संदेश -4
- धन्य यूफ्रासिया केरल की दूसरी संत बनने के करीब - 5
- थुम्मा बाला हैदराबाद मेट्रोपोलिस के नये महाधर्माध्यक्ष - 6

विश्वास, सांस्कृतिक और सामाजिक परंपरा मात्र नहीं

जस्टिन तिर्की, ये.स.

संत पापा वेनिस की अपनी दो दिवसीय प्रेरितिक यात्रा पर

वाटिकन सिटी, 9 मई, 2011(ज़ेनित) " आज की ख्रीस्तीयता को जिस बात का खतरा है वह है, इसके अनुयायिओं का इसकी सत्यता और इसके तथ्यों से दूर होना, इसका महत्त्व सिर्फ़ सामाजिक और सांस्कृतिक बन कर रह जाना तथा इसके द्वारा मानव जीवन के सिर्फ़ सतहों को छूना।"

उक्त बातें संत पापा बेनेदिक्त सोलहवें ने उस समय कहीं जब उन्होंने शनिवार 7 मई को उत्तरी-पूर्वी इटली के वेनिस और अक्विलेइया में आयोजित यूखरिस्तीय बलिदान में प्रवचन दिये।

संत पापा ने कहा कि विश्वास सांस्कृतिक और सामाजिक परंपरा मात्र नहीं है। वेनिस में आयोजिक मिस्सा में 3 लाख लोगों ने हिस्सा लिया।

विदित हो कि इस मिस्सा समारोह में इटली के अलावा जर्मनी, क्रोएशिया, स्लोवेनिया और ऑस्ट्रिया के लोगों ने भी इसमें हिस्सा लिया।

संत पापा ने कहा कि " आप जिस संदर्भ में जीते हैं वहाँ का विश्वास ख्रीस्तीय विश्वास है जो विभिन्न कठिनाइयों, चुनौतियों और अत्याचारों के बावजूद वर्षों से यहाँ जीवित है।"

उन्होंने कहा कि " अगर आज क्रूसित और पुनर्जीवित येसु पर विश्वास, हमारे जीवन के पथ को आलोकित नहीं करता है तो ऐसा विश्वास काफी नहीं है।

उन्होंने कहा कि आज यहाँ के लोगों की जो स्थिति है वह एम्माउस के चेलों की स्थिति से मिलती-जुलती है।"

लोग आज निराश और हताश नज़र आते हैं और येरूसालेम में क्रूसित और जी उठे येसु की शक्ति और उपस्थिति पर विश्वास नहीं करते हैं।

आज हमारे सामने जो चुनौतियाँ, बुराइयाँ, दुःख, दर्द, अन्याय, अत्याचार, भय और दूसरों के हमारी भूमि में पहुँचने से जो आतंक है हमें यह कहने को मजबूर कर देते हैं कि 'हमने सोचा था कि ईश्वर हमें पापा बुराई दुःख डर और अन्याय से मुक्त करेंगे पर ऐसा नहीं हुआ।"

संत पापा ने कहा कि " आज ज़रूरत है ईशवचन के द्वारा मसीहा को पुनः पहचानने की। आज ज़रूरत है 'शरीर और रक्त' के संस्कार में येसु को देख पाने की जो हमारे विश्वास की आँखों को तेज कर देता हैं ताकि हम सबकुछ को ईश्वर की आँखों और प्रेम के आलोक में देख सकें।"

उन्होंने कहा "आप पवित्र बनिये, येसु को जीवन का केन्द्र बनाइये और उसी के आधार पर अपने जीवन का निर्माण कीजिये। आप येसु में ही सच्ची शक्ति का अनुभव करेंगे ताकि आप येसु के समान ही पूरी मानवता के लिये एक वरदान सिद्ध हो सकें।"

विश्वास के मूल्यों को राजनीति सहित जीवन के सभी क्षेत्रों से जोड़ें

जस्टिन तिर्की, ये.स.

वेनिस, इटली, 9 मई, 2011 (ज़ेनित) " ईसाइयों का दायित्व है कि वे ख्रीस्तीय विश्वास के मूल्यों को राजनीति सहित जीवन के सभी क्षेत्रों से जोड़ें।"

उक्त बात संत पापा बेनेदिक्त सोलहवें ने उस समय कहीं जब शनिवार 7 मई को उन्होंने उत्तर-पूर्वी इटली के अक्वीलेइया बसीलिका में अपने प्रेरितिक यात्रा के दौरान कलीसियाई प्रतिनिधियों को संबोधित किया।

संत पापा ने कहा कि " ईसाइयों को चाहिये कि वे मानव के लिये ईश्वरीय प्रेम का साक्ष्य दें। यह साक्ष्य जीवन और प्रेम के निर्णयों में उनके लिये प्रदर्शित करने की आवश्यकता है जो कमजोर, असुरक्षित, अस्वावलंबी, गरीब, वृद्ध और अक्षम हैं।"

उन्होंने कहा कि " 'आर्थिक प्रगति की होड़' और 'मंदी की दौर' मे ईसाइयों से आशा की जाती है कि वे जीवन के अर्थ को समझें और सुसमाचार का प्रचार करने में गर्व और आध्यात्मिक आनन्द का अनुभव करें।"

संत पापा ने कहा कि " आप उन मूल्यों में से किसी का भी त्याग न करें जिनमें आपकी आस्था है और दुनिया के उन सभी लोगों में जिनका ख्रीस्तीय मानवतावाद के प्रति सम्मान है मिलकर एक ऐसे 'नगर' का निर्माण करें जहाँ मानवता न्याय और सहयोग को सम्मान मिले।"

उन्होंने स्थानीय कलीसिया को इस बात के लिये प्रोत्साहन दिया कि वे एक नयी पीढ़ी के निर्माण के लिये कार्य करें जहाँ व्यक्ति सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र में 'सार्थक जीवन' और 'परहित' के लिये कार्य कर सकें।

उन्होंने कहा कि " ईसाई अपने इस दायित्व से नहीं कतरा सकते। प्रत्येक ख्रीस्तीय तीर्थयात्री है जो ईश्वर के पास जाने की यात्रा में है और उस अनन्त यात्रा की शुरुआत इस धरा में किये जाने की आवश्यकता है।"

विदित हो कि त्रिवेनेता के 15 धर्मप्रांत अक्वीलेइया की दूसरी कलीसियाई महासभा की तैयारी कर रहे हैं जिसका आयोजन सन् 20112 में सम्पन्न होगा।

इस सभा के द्वारा ख्रीस्तीयों को इस बात का प्रोत्साहन दिया जायेगा कि वे ख्रीस्तीयता के मूल अनुभवों और येसु के साथ मिलने के अपने अनुभवों को दूसरों को बतायें। येसु इस अनन्त यात्रा में प्रत्येक नर और नारी के मार्गदर्शक हैं।

स्वर्ग की रानी आनन्द मना प्रार्थना से पूर्व संत पापा द्वारा दिया गया संदेश

जोसेफ कमल बाड़ा

वेनिस, 9 मई, 2011(सेदोक, वीआर) संत पापा बेनेडिक्ट 16 वें ने शनिवार 7 मई और रविवार 8 मई को इटली के उत्तर पूर्व प्रांत में स्थित अक्विलिया, मेस्त्रे और वेनिस शहर का दौरा किया। 6 वर्ष के परमाध्यक्षीय काल में इटली के अंदर यह उनकी 22 वीं मेषपालीय प्रेरितिक यात्रा थी।

उन्होंने शनिवार 7 मई को उदीने प्रांत के अक्विलिया नगर की भेंट की तथा संध्या पहर में वेनिस आये। उन्होंने वेनिस के संत मारकुस स्कवायर में विश्वासियों और पर्यटकों का अभिवादन किया तथा बासिलिका में रखे गये सुसमाचार लेखक प्रेरित संत मारकुस के अवशेषों के दर्शन कर आराधना की।

संत पापा ने रविवार 8 मई को वेनिस प्रांत के मेस्त्रे शहर में स्थित संत जुलियन पार्क में समारोही ख्रीस्तय़ाग की अध्यक्षता की जिसमें इटली के उत्तर पूर्वी क्षेत्रों में स्थित धर्मप्रांतों के विश्वासियों सहित पड़ोसी देशों क्रोआशिया, स्लोवानिया, आस्ट्रिया और जर्मनी के लगभग 3 लाख विश्वासी शामिल हुए। भक्त समुदाय ने समारोही ख्रीस्तयाग के बाद स्वर्ग की रानी आनन्द मना गीत का गायन किया। इसके बाद संत पापा ने विश्वासियों को इताली भाषा में सम्बोधित करते हुए कहाः

अतिप्रिय भाईयो और बहनो, इस समारोही ख्रीस्तयाग के अंत में हम अपनी दृष्टि स्वर्ग की रानी मरियम की ओर करते हैं। वे पास्का के प्रभात के साथ ही पुनर्जीवित होनेवाले की माँ बन गयीं और उनके साथ उनका संयुक्त होना इतना गहरा है कि जहाँ पुत्र उपस्थित हैं वहाँ माँ अनुपस्थित रह ही नहीं सकतीं।

इस मनोरम इलाके में ईश्वर के सौंदर्य के चिह्न और उपहार, अनेक तीर्थालय, गिरजाघर और प्रार्थनालय हैं जो मरियम को समर्पित हैं। उन्में ख्रीस्त का ज्योतिर्मय मुखमंडल प्रतिबिम्बित होता है। यदि हम विनम्रतापूर्वक उनका अनुसरण करें तो कुँवारी मरियम हमें उनकी ओर ले चलेंगी। पास्का काल के इन दिनों में हम स्वयं पर पुनर्जीवित ख्रीस्त को विजयी होने की अनुमति दें ।

उनमें प्रेम और शांति की यह नयी दुनिया हर मानव के हृदय की गहन आकाँक्षा की रचना करती है। मेरी कामना है कि दीर्घ ईसाई इतिहास से समृद्ध इन द्वीपों में रहनेवाले निवासियों को प्रभु आरम्भिक कलीसिया के नमूने के अनुरूप सुसमाचार को जीने के लिए कृपा प्रदान करें जिसमें विश्वसियों का समुदाय एकहृदय और एकप्राण था।

पवित्रतम माता मरिया का हम आह्वान करें जिन्होंने सुसमाचार का प्रचार करने के लिए अपने पुत्र का प्रथम साक्ष्य देनेवालों को समर्थन दिया, वे आज भी पुरोहितों के प्रेरितिक प्रयासों को सहायता प्रदान करें, धर्मसमाजी जीवन जीनेवालों के साक्ष्य को फलप्रद बनायें, बच्चों में विश्वास के प्रथम हस्तांतरण के अभिभावकों के दैनिक काम को अनुप्राणित करें, युवाओं के पथ को आलोकित करें ताकि अपने वे पूर्वजों के पथ पर विश्वास और दृढ़तापूर्वक चल सकें, अधिक उम्रवालों या बुजुर्गों के दिलों को आशा से भर दें, बीमारों तथा पीडितों को अपनी समीपता से सांत्वना दें, सुसमाचार प्रचार में, पल्लियों में, काथलिक एक्शन जैसे संघों में सक्रिय योगदान दे रहे असंख्य लोकधर्मियों के कार्यों को सहायता दें जिनकी जड़े इन क्षेत्रो में बहुत गहरी हैं तथा उनकी उपस्थिति अनेक अभियानों में देखी जाती है जो अपने कैरिज्म और कार्यों की विविधता में कलीसियाई संरचना की समृद्धि का चिह्न हैं, मेरे मन में ऐसे समूहों के नाम है जैसे फोकोलारे, कम्यूनियन एंड लिबरेशन, न्यूकैटेक्यूमेनल वे।

मैं प्रत्येक जन को प्रोत्साहन देता हूँ कि सामुदायिकता की सच्ची भावना में इस महान दाखबारी में काम करें जहाँ प्रभु ने हमें काम करने के लिए बुलाया है। कलीसिया तथा पुनर्जीवित ख्रीस्त की माता मरियम हमारे लिए प्रार्थना कर।

इतना कहने के बाद संत पापा ने स्वर्ग की रानी आनन्द मना प्रार्थना का पाठ किया और सबको अपना प्रेरितिक आशीर्वाद प्रदान किया।

धन्य यूफ्रासिया केरल की दूसरी संत बनने के करीब

जस्टिन तिर्की, ये.स.

केरल, 9 मई, 2011 (उकान) केरल की धन्य यूफ्रासिया सभवतः जल्द ही संत घोषित कर दी जायेगी। वाटिकन ने भारत की कलीसिया से यूफ्रासिया की आधिकारिक जीवनी भेजने का निर्देश दिया है।

विदित हो कि पिछले साल इरीनजलाकुदा धर्मप्रांत के धर्माध्यक्ष ने संत पापा को उन दस्तावेज़ों को सौपें थे जिसमें धन्य यूफ्रासिया के मध्यस्थता से एक छः वर्षीय लड़के की 'थैरोग्लोसल सिस्ट' की बीमारी से चंगाई प्राप्त हुई थी।

रोमन कूरिया के संत प्रकरण के लिये बनी परिषद् ने स्थानीय कलीसिया को यूफ्रासिया की 'पोसित्सियो' अर्थात् 'आधिकारिक जीवनी' तैयार करने के निर्देश पहले ही दे दिये थे।

संत घोषणा प्रक्रिया की अधिकारिणी 'वाइस पोस्तुलातोर' सिस्टर क्लेओपात्रा के अनुसार ओल्लूर की यूफ्रासिया की मध्यस्थता से हुई चंगाई को को करीब तीन साल में वाटिकन से मान्यता मिल गयी है जो अन्य संत उम्मीदवारों के समय से कम है।

इसी सिलसिले में भारत में वाटिकन के प्रेरितिक राजदूत महाधर्माध्यक्ष साल्वातोरे पेन्नक्किियो 21 मई को थ्रिसूर के ओल्लूर की यात्रा करेंगे।

उन्होंने बताया कि अगर धन्य यूफ्रासिया को संत बनाये जाने की पूर्ण मंजूरी मिल जाती है तो यह एक ऐसा दुर्लभ अवसर होगा जब धन्य घोषणा के तुरन्त बाद किसी को अति शीघ्र संत बनाया जायेगा।

3 दिसंबर सन् 2009 ईस्वी को वन्दनीय यूफ्रासिया की मध्यस्थता से सरकोमा नामक बीमारी से पीड़ित 55 वर्षीय एक व्यक्ति चंगाई पर उन्हें धन्य घोषित किया गया था।

'प्रेयिंग मदर' अर्थात् प्रार्थना करने वाली माता के रूप में विख्यात् यूफ्रासिया का जन्म थिस्सुर जिले के एदाथुरुथी में एलावथुंगल अंथोनी तथ कुनजेत्ती के परिवार मे सन् 1877 ईस्वी में हुआ था।

उन्होंने मदर ऑफ कार्मल धर्मसमाज में प्रवेश किया और सन् 1900 में सिस्टर बनी और अपना अधिकतर समय जीवन ओल्लुर के संत मेरी कॉन्वेंट में अपना समय बिताया।

सिस्टर यूफ्रासिया के संत बनने से वे केरल की दूसरी संत बन होंगी। विदित हो संत अल्फोंसा को दो वर्ष पहले संत घोषित किया जा चुका है।

धर्माध्यक्ष थुम्मा बाला हैदराबाद मेट्रोपोलिस के नये महाधर्माध्यक्ष

जस्टिन तिर्की, ये.स.

हैदराबाद, 9 मई, 2011(उकान) भारत में वाटिकन के प्रेरितिक राजदूत महाधर्माध्यक्ष साल्वातोरे पेन्नाकियो ने धर्माध्यक्ष थुम्मा बाल को 5 मई को सात हज़ार लोगों की उपस्थिति में आयोजित एक भव्य समारोह में हैदराबाद मेट्रोपोलिस के महाधर्माध्यक्ष के रूप में स्थापित किया।

यूखरिस्तीय बलिदान सेकुन्दराबाद के संत मेरीस मैदान में आयोजित किया गया था। मोन्सिन्योर स्वर्ण बेर्नार्ड ने वाटिकन द्वारा प्रेषित संदेश को पढ़ा जिसके द्वारा धर्माध्यक्ष के महाधर्माध्यक्ष बनाये जाने की घोषणा हुई।

संत पापा बेनेदिक्त के उक्त संदेश में इस बात का ज़िक्र था कि स्थानीय समुदाय की सूचना के आधार पर धर्माध्यक्ष बाला को महाधर्माध्यक्ष की ज़िम्मेदारी सौंपी जा रही है जो महाधर्माध्यक्ष मरामपुदी जोजी की मृत्यु से रिक्त थी।

इस अवसर पर बोलते हुए वाटिकन राजदूत साल्वातोरे पिन्नाक्कियो ने नये महाधर्माध्यक्ष बाला से कहा कि वे समाज और सार्वजनिक जीवन में ख्रीस्तीय मूल्यों का प्रचार-प्रसार करें।

इसके प्रत्युत्तर में नये महाधर्माध्यक्ष थुम्मा बाला ने कहा कि वे येसु मसीह की शिक्षा के अनुसार प्रेम और शांति के प्रचार के लिये कार्य करेंगे और अपने पूर्वाधिकारी के कार्यों को आगे बढ़ायेंगे।

उन्होंने बताया कि उनका आदर्श वाक्य हैं " प्रेम और एकता के लिये कार्य करना। "

जोसेफ कमल बाड़ा | जुलयट जेनेविव क्रिस्टफ़र | जस्टिन तिर्की ये.स.

कुछ महत्त्वपूर्ण वेबसाइटस्
http://www.radiovaticana.org (संत पापा का रेडियो 45 भाषाओं में)
http://www.youtube.com/vatican (यू ट्यूब में संत पापा)
http://www.zenit.org/english/gift.html (रोम की नज़र से विश्व)
For Private Circulation only

वाटिकन रेडियो के सामान्य कार्यक्रम

शनि संध्या- रवि प्रातः-रविवारीय धर्मग्रंथ एवं आराधना-विधि चिन्तन

रवि संध्या-सोम प्रातः- युवा कार्यक्रम नई दिशाएँ एवं साप्ताहिक कार्यक्रमःचेतना जागरण

सोम संध्या-मंगल प्रातः- रविवारीय देवदूत प्रार्थना से पूर्व दिया गया संत पापा का संदेश

मंगल संध्या-बुध प्रातः कलीसियाई दस्तावेज़ःएक अध्ययन

बुध संध्या-गुरु प्रातः- साप्ताहिक आमदर्शन समारोह में संत पापा का संदेश और श्रोताओं के पत्र

गुरु संध्या-शुक्र प्रातः-पवित्र धर्मग्रंथ बाईबिलःएक परिचय

शुक्र संध्या-शनि प्रातः- सामयिक लोकोपकारी चर्चा

प्रसारण की समाप्ति लगभग 6 मिनटों के कलीसियाई और लोकोपकारी समाचारों से होती है

हमारा पता

Regional office Hindi
Vatican Radio, Satya Bharati, P.B. 2,
Dr. Camille Bulcke Path, Ranchi, 843001
Jharkhand, India.
E-mail:- hindi@vatiradio.va

Rome
Vatican Radio, Indian Section,
00120 Vatican City.
Rome, Italy.
Email:- india@vatiradio.va
tamil@vatiradio.va, engindia@vatiradio.va
malayalam@vatiradio.va,
urdu@vatiradio.va

Vatican Radio Regional offices

Tamil & English
Loyola College. PB. No.3301,
Chennai 600 034 TN India,
vradioch@gmail.com

Malayalam
POC, PB. No. 2251, Palarivattom,
Kochi-682 025, Kerala, India,
vrkochi@gmail.com